

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

— हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

४९३८२ (८४१)

ग्रंथ नाम

रामदास स्वामीजी

वस्तर

विषय

मंगद.

ॐ श्री ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो

(1)

नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

राशिगुणसमस्तस्यैव महती महती महती

श्रीरामायणे श्रीविराटोऽष्टमोऽध्यायः

उत्वा मन्त्रोऽध्यायः श्रीरामायणे

॥ ध्यायेदाजान बाहु धृत शर धनुषं बध्ना पद्मासनस्थं ॥

॥ पीतं वासो वसानेन व कमलदलस्य धिनेन प्रसन्नं ॥ वा

मां कारुण्यं सीता मुनिवत्सलं वने नीलदाभं ॥ नाना

कारदीप्तं धृतं मुकुटं दामं गंगामुखां रामचंद्रं ॥ १ ॥ ब्रह्मान

द परमसुखदं केवलं ज्ञानमुच्यते ॥ इदं वातीतं गगनसदृ

॥ शान्तं त्वमस्यादिलक्ष्यं ॥ एकं नित्यं विमलं च लं सर्वधौ

॥ साक्षिभूतं ॥ भावातीतं निगुणरहितं सद्गुरुं तं न मामि

॥ २ ॥ ध्यायेद्वाद्यं करद्वयं नित्यं देवारिदर्पाय हं

देवं इन्द्रमुखं सन्नवदंतं देदीप्यमानं रुचोः सुग्री

वादिसमस्तवातरयुतं सुव्यक्तं तत्प्रातिदं संरक्ता

लोचनं पवनजं पीतांबरालंकृतं ॥ ३ ॥ गुरुर्वै

मममेव श्रीगणेशाय नमः शिवाय ममरा

या एतत्त्वामिदं यद्वत्तु न वारं प्रभ

मेमेतो यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु

पञ्चदशमिदं यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु

म १८३० यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु

यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु यद्वत्तु

यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु यद्वत्तु

यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु यद्वत्तु

यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु यद्वत्तु

यद्वत्तु यद्वत्त्वामिदं यद्वत्तु यद्वत्तु

(5)

દેવિયંત્રીએ રામજીવનનાં દુઃખાંતરણાં

મરણમુક્તિ પુનાંતરિયે આમનમ મુખ

ગદિયાદી મદ્યોપાવેશીઅર્થાં અર્થ

સમુદયે વગવડાવેશી પુનાંતરિયે અર્થ

સર્વિયંત્રીએ મદ્યોપાવેશી અર્થ

દાવણે વેશીયાવેશી અર્થ

પદ્મસાધવેશી અર્થ

વેશીઅર્થ અર્થ

અર્થ

(७)

कहियाउरध्यानादुवाँम जिउचिहू

पमंति नमदीहसपवनापारउम अमि

मश्चपंतिनाम मरमरे नममकरम

अरिहमश्चममदो दति यानिया नम

जेपमरिनी देविमउदति उरध्याअपंड

उरध्याअपंडमरम अमपंडमरम

(७०)

वेमश्चपाउरामाउमरममरममगे

उरध्याअपंडमरम अमपंडमरम

मिरीममामममममममममममम

उरध्याअपंडमरम अमपंडमरम

ममममममममममममममममममम

(७६)

ममममममममममममममममममम

ममममममममममममममममममम

ममममममममममममममममममम

ममममममममममममममममममम

ममममममममममममममममममम

(७८)

ममममममममममममममममममम

ममममममममममममममममममम

१ पाठ उपरान्त एके एक मन्त्र पुनः शिरो

मन्मथपुत्र मन्मथपुत्र मन्मथपुत्र

~~पुष्करिणी त-उरक धरमार मन्दिपाने दिय~~

~~उद्योगि मम एवम् उद्योगि मम उद्योगि मम~~

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

9A
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निर्वाहार्थम् अथवा निर्वाहार्थम्

...than Mandal, Dhule and the ...

[Faint handwritten text and bleed-through from the reverse side are visible.]

महाराष्ट्र राज्य सरकार
प्रधानमंत्री

१३ ~~विनिर्वाह विवशास्त्रेण विवशमिति~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

Handwritten musical notation on a single staff, featuring various notes and rests.

४२१।०८ पाँच ० नवविंशति ० ५ ।

१३

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page, mentioning 'पुष्प' (Pushpa) and 'पुष्प' (Pushpa).

१८

पुस्तकालय, दिल्ली

Handwritten musical notation on a staff, likely a continuation of the previous page.

ज्योतिषि उक्तं कर्म विना न भवेत्

गोपिपुत्रिणमापेन पुनः समुद्रवर्षे

पल्लविकुं वारुण्य उद्यानगार नरुदो

मिकपुत्रुयान्तिमेतापठठठ

- | | |
|---------------|----------------|
| १ मण्डपमय | ७ मेवकुसुमगार |
| २ मेवमण्डकगार | ८ मेवकुसुमगार |
| ३ मेवपादिरु | ९ मेवकुसुमगार |
| ४ मेवकुसुमगार | १० मेवकुसुमगार |
| ५ मेवकुसुमगार | ११ मेवकुसुमगार |
| ६ मेवकुसुमगार | १२ मेवकुसुमगार |

समस्तमन्त्राणि संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

उत्तमपुत्रगार संपूर्णानि सन्ति

(11)

नाथिगदगिला मय ह मसका वमंति पाला वरि

जमंति ये जमा जे वरि पुम निमु पयि उरु

येय नाथ गमंति ये रागु मम मरि मरु योगा

तान मुप ये नाग य ज कया ज पु म ये मरु मंति

या उ पु म ग ना ग मंति या उ म्प न म्प ति व

ये ये उ पु म उ म्प मंति या उ पु म म्प म्प मंति म

उ पु म म्प म्प मंति म्प उ म्प म्प म्प म्प मंति य

उ पु म गुं ड मंति म्प उ पु म ग ना ग मंति या उ पु

म प म्प म्प मंति म्प उ पु म उ म्प मंति या उ पु म

म म्प मंति या उ पु म म्प मंति या उ पु म ना म

म मंति या उ पु म म्प मंति या उ पु म म्प म्प

म मंति या उ पु म म्प मंति या उ पु म म्प म्प

म मंति ये पु म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

रा म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

म म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प म्प

42.

रत्न पद्म धर्मद्वय्या उद्योग नगरी विद्यापीठे

पद्मिनी च तौ हस्ते पद्मं च धारयतः

[illegible]

ਧਰਮਾਦਿਪਤਿ ਸਿਰਮੌਰੀ ਪ੍ਰਿਥੀਵੀ ਪ੍ਰਿਥੀਵੀ

मंगलदिनाद्वारं चारुं मंगलं पुढे मंगलं

मन्त्र उवाच ॥ अथ तद्वाच्यं तद्वाच्यं तद्वाच्यं ॥

(120) गणेशाय नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in Devanagari script, likely a signature or name, written on a piece of aged paper.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

128

[illegible]

१. १७७७

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२०

एतन्मन्त्रं पठन्निहोष्यति ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

43

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

एयानिष्टिद्या नष्टिद्या ताऽश्रिष्टादिभिरा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

18-10-1917

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

दुर्गा तौ हृद्यम्याज-संख्या पद्याम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विश्वरूपी श्रीगणेशाय नमः

Handwritten text on a yellowed page, possibly a manuscript or a page from an old book. The text is written in Devanagari script and is heavily obscured by a large, dark, irregular ink blot or smudge that covers the central portion of the page. The visible text includes the words "and the Yashwantra" and "Sachin Mani" (partially visible as "Sachin Mani" and "Sachin Mani").

2020-21-22

13B

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१५४८-११६०१॥३७२॥३७२॥३७२॥३७२॥३७२॥

Sanskrit inscription in Devanagari script.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

136

A single staff of handwritten musical notation. The notation includes various note values, including minims, crotchets, and quavers, along with rests. The ink is dark and the paper is aged and slightly discolored.

तन्नादं नमो भगवते वासुदेवाय

ਏਕਮਿਤਾਤਪਦਮਨਾਗਵਿਓਕ੍ਸ਼ੁਮਦਸਾਯ

(14)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

द्वितीयाऽमरस मरुद्वयस्य विभक्तये

[illegible]

ਦਘੇਰੇ ਮਰਗੋਲਿ ਸੁਪੁਨਾ ਅਭਿਮਾਨਾਭੇਰੀ ਮ.

२४४ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

14A
महागति श्रीनामठपाठ्य श्रीगंगापत्री

हमसुगारिदुर्लभमन्त्रात्मिकावाग्यथा

Chavan Talis

অতঃপর প্রকৃত্যুপদেশে নবীন

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

74B - श्रीराम भगवत् दशमस्केतम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

~~रत्ननाथि श्रीनाम नमो नमो नमो नमो~~

14c
~~मार्गपदोपि वृत्तं च द्वावपि मः प्रति ज्ञेयम्~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

~~७ तारा मंगल २२६ का १० भाग में बँटता है~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महामहोदयारज्यसामुद्रमुनिरामदासमाश्री

रामपतिनामस्तु भगवत्परात्मनामस्तु वादि

आमुत्तरिपुत्रकृष्णमित्रकपथानि मरुतममप

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

~~ਦੀਰਿਗਤਾਨੁ ਅਭਿਰਾਮੁ ਦੀਰਿਗਤਾਨੁ ਅਭਿਰਾਮੁ~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(१७) तपोविष्णुमुखादिभिराचार्यैः

अंतिम तां विष्णुवर्धन उवाच ॥ १ ॥

महाराष्ट्र राज्य सरकार

महाराजपुत्रादिकेनैवराजाय

प्राचीन ज्ञानसूत्रपरिचयसंग्रह

198
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

~~मार्गभूमी न मयल्लुकि निमासमाने मायेद्वेष~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(190) पंथारि उवाच परमापराधमनेदम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com